120

"रायगढ़ जिले में वृहत्ताकार आदिमजाति बहुउद्देशीय सहकारी समितियों (लैम्पस) का मूल्यांकन"

शोध अध्ययन क्षेत्र - रायगढ़ जिला (म.प्र.)

गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (म.प्र.)

की

पी-एच. डी. उपाधि हेतु प्रस्तुत

91392

शोध-प्रबन्ध

1994

Year of award 1995

निर्देशक :
डॉ. एल. एम. मालवीय
आचार्य, अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता
वाणिज्य संकाय
गुरू घासीदास विश्वविद्यालय
बिलासपुर (म.प्र.)

शोधकर्ता :
बृषभान कुमार गर्ग
सहायक प्राध्यापक
वाणिज्य संकाय
शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर, सरगुजा (म.प्र.)

Dr. L. M. Malviya
Prof. & Head (Commerce)
Chairman, Board of Studies (Commerce)
Dean, Faculty of Commerce
Member, Executive Council
Member, Academic Council and
Co-ordinator, J R F & Lecturer Ship &
Other Competitive Exam. Pre Training Centre

[illegible]
गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर

GURU GHASIDAS UNIVERSITY
I. T. I. BARRACKS, KONI
BILASPUR (M. P.) *495-009*
☎ *Office 4420 4419 Res. 4909*

Date: 6th May, 1994

CERTIFICATE

Certified that **Mr. Brishbhan Kumar Garg,** Assistant Professor of Commerce, Govt. P.G. College, Ambikapur (M.P.) has compl~~i~~eted this work under my supervision and has fulfilled the requirements for the award of Ph.D. Degree in Commerce of Guru Ghasidas University, Bilaspur as per university ordinance. I hereby recommend the present work of Mr. Brishbhan Kumar Garg to be examined for the award of Ph.D. Degree.

(Dr. L.M. Malviya)
Supervisor

घोषणा - पत्र

मैं घोषणा करता हूँ कि शोध अध्ययन **"रायगढ़ जिले में वृहताकार आदिम जाति बहुउद्देश्यीय सहकारी समितियों (लैम्पस) का मूल्यांकन"** नामक शीर्षक के अन्तर्गत प्रस्तुत यह शोध प्रबन्ध मेरी मौलिक कृति है । इसे मैंने स्वयं के विवेक व परिश्रम द्वारा पूर्ण किया है । प्रस्तुत शोध प्रबन्ध में मेरे निर्देशक डॉ. एल.एम. मालवीय, आचार्य, अध्यक्ष एवं अधिष्ठाता, वाणिज्य संकाय, गुरूघासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर के सुझाओं का सादर समावेश है ।

दिनांक- 6.5.94.

शोधकर्ता

(वृषभान कुमार गर्ग)
सहायक प्राध्यापक/वाणिज्य
शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर (म.प्र.)

आमुख

लैम्पस सहकारी संस्थाओं की स्थापना आदिवासी अर्थव्यवस्था के उन्नयन के एक सहकारी माध्यम के रूप में उस अर्थव्यवस्था की विविधतम आवश्यकतओं की पूर्ति की महत्वाकांक्षी योजना को पूरा करने के उद्देश्य से की गयी थी । अपनी स्थापना द्वारा ये संस्थाएँ डेढ़ दशक से अधिक का कार्यानुभव प्राप्त कर चुकी हैं । डेढ़ दशक की अवधि किसी भी संस्था के कार्यकलापों की जाँच एवं कार्य-मूल्यांकन के लिए पर्याप्त अवधि है ।

मध्यप्रदेश भारत का एक ऐसा राज्य है जहाँ सर्वाधिक संख्या में लैम्पस संस्थाएं कार्यरत हैं । लैम्पस संस्थाओं के पुनर्गठन के क्षेत्र में यह राज्य सबसे आगे रहा है । इस राज्य के रायगढ़ जिले की यह विशेषता रही है कि सम्पूर्ण मध्यप्रदेश में जगदलपुर के बाद रायगढ़ जिले में ही विकास खण्ड-स्तरीय और हाट-स्तरीय दोनों प्रकार की लैम्पस संस्थाएँ कार्यरत हैं । इन दोनों प्रकार की संस्थाओं में कार्यक्षेत्र विस्तार तथा सेवित ग्रामों की संख्या के क्षेत्र में विषमताएँ हैं ।

रायगढ़ जिले में आदिवासी जनसंख्या की अनेक क्षेत्रों में बहुलता है । इन जनजातियों में विकास की दृष्टि से भी पर्याप्त विषमताएं हैं ।

उपर्युक्त परिदृश्य में रायगढ़ जिले की लैम्पस संस्थाओं के समक्ष विकास की दृष्टि से पिछड़े समाजों को उनकी बहुविध आवश्यकताओं की पूर्ति और उत्पादन के संसाधनों की सुलभ प्रदायता एक चुनौती है । जिले की लैम्पस संस्थाएँ कहाँ तक अपने उद्देश्यों को प्राप्त कर सकी हैं और उनकी मुख्य सबलताएँ/दुर्बलताएँ क्या हैं, इस दृष्टि से अकादमिक विवेचना और शोध हेतु यह विषय अत्यधिक उपयोगी रहा है तथा इसी जिज्ञासा ने शोधकर्ता को इस पुनीत कार्य को करने हेतु संकल्प के लिए प्रेरित किया । प्रस्तुत अध्ययन इन्हीं बिन्दुओं पर केन्द्रित रायगढ़ जिले की लैम्पस संस्थाओं का एक मूल्यांकन अध्ययन है । इसमें अब तक अछूते लैम्पस कार्य-व्यवहार के महत्वपूर्ण पक्षों पर प्रकाश डालने का पूर्ण प्रयास किया गया है ताकि इस विषय पर और अधिक शोध की रुचि अध्येताओं के बीच उत्पन्न हो ।

वृषभानु कुमार मर्म
सहायक प्राध्यापक वाणिज्य
शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर (म.प्र.)

कृतज्ञता - ज्ञापन

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध का विषय सहकारिता से संबंधित है और सहकारिता के मूल मंत्र "सहयोग श्री बसति" की चिरतार्थता का अनुभव मैंने इस शोध-प्रबन्ध के प्रस्तुतीकरण की सम्पूर्ण प्रक्रिया में किया । सर्वप्रथम, पी-एच. डी. उपाधि हेतु शोधरत होने की सबल प्रेरणा मुझे आदरणीय डॉ. एल.एम. मालवीय, प्रोफेसर एवं अध्यक्ष, वाणिज्य विभाग, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर से प्राप्त हुई । उनके निर्देशन में शोध-छात्र के रूप में पंजीयित होने की सुविधा मुझे सुलभ हुई । पंजीयन से लेकर शोधग्रन्थ के प्रस्तुतीकरण की सम्पूर्ण अवधि में उनकी सतत प्रेरणा, उत्साह वर्धन एवं मार्ग निर्देश मुझे सुलभ रहा जिसके अभाव में निश्चय ही कार्य पूर्ति सम्भव नहीं थी । वाणिज्य की भाषा में ही कहूँ तो उनका ऋण अशोध्य है ।

शोध-प्रबन्ध प्रक्रिया को सबल करने में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली, गुरू घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर, एन.सी. डी.सी., देहली, एन.सी.यू.आई. दिल्ली, बैकुण्ठ मेहता, राष्ट्रीय सहकारी प्रबन्ध संस्थान, पूना, गोखले इन्स्टीट्यूट, पूना, आई.सी.एस.आर., नई दिल्ली आदि संस्थाओं के अधिकारियों के प्रति मैं आभारी हूँ जहाँ से मुझे वांछित जानकारी उपलब्ध होती रही ।

शोध-कार्य से सम्बन्धित सामग्री संकलन की दिशा में मैं समस्त सहकारी संस्थाओं, विशेषकर रायगढ़ जिले की समस्त लैम्पस संस्थाओं के प्रबन्धकों एवं कर्मचारियों का हृदय से आभारी हूँ । अपने महाविद्यालय के गुरूवर एवं सहयोगी डॉ. बी.एल. वार्ष्णेय, डॉ. ए.के. खरे, डॉ. एच.एन.गुरू, डॉ. जगजीत सिंह बग्गा, डॉ. जी.पी. त्रिपाठी, डॉ. ममता गर्ग आदि के प्रति हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करता हूँ जिनसे मुझे सदा ही अपेक्षित जानकारी, समस्याओं का निदान एवं अमोल आशीर्वाद प्राप्त होता रहा ।

मैं अपने आत्मीय, सुहृदय एवं शुभचिन्तक श्री सुभाष यादव, सहकारिता मंत्री, भोपाल, डॉ. प्रेमसाय सिंह, विधि विधायी सिंचाई राज्य मंत्री, म.प्र. शासन, डॉ. एम.पी. सक्सैना, एम.डी. अपैक्स बैंक, भोपाल, प्रो. बी.एल. गोयल, डॉ. मिथलेश कुमार मिश्र, पूज्यनीय मदन

मोहन वार्ष्णेय, श्री शैलेश अग्रवाल, श्री मुकेश शुक्ला का भी ऋणी हूँ, जिनसे मुझे अपेक्षित सहयोग प्राप्त हुआ ।

प्रस्तुत शोध प्रबन्ध को पूर्ण करने में श्री बी.एस. बासवान, आई.ए.एस., तत्कालीन संभागायुक्त, बिलासपुर संभाग, श्री एन.एस. चौधरी, वन संरक्षक, बिलासपुर वृत, डॉ. डी.पी. गर्ग, सचिव, नेशनल काउन्सिल फार को-आपरेटिव ट्रेनिंग, नई दिल्ली, सहित अन्य विद्वानों, अधिकारियों, कर्मचारियों, समाज सेवियों तथा मित्रों का सक्रिय एवं भावात्मक सहयोग प्राप्त हुआ है, उन सभी के प्रति भी हार्दिक आभार व्यक्त करता हूँ ।

मैं स्पष्ट, सुन्दर एवं आकर्षक टंकण के लिए श्री रमाकान्त राय के प्रति आभार प्रदर्शन करता हूँ ।

हृदय से कृतज्ञता भाव को सम्प्रेषित करने का यह प्रयास मात्र है । सच तो यह है कि भावों को पूरी सच्चाई के साथ अभिव्यक्ति देने की क्षमता शब्दों में कहाँ ।

(बृषभान कुमार गर्ग)
सहायक प्राध्यापक (वाणिज्य)
शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय
अम्बिकापुर (सरगुजा) (म.प्र.)

रायगढ़ जिले में वृहताकार आदिम-जाति बहुउद्देश्यीय सहकारी समितियों (लैम्पस) का मूल्यांकन

अ नु क्र म णि का

परिच्छेद	विवरण	पृष्ट संख्या
प्रथम	**प्रस्तावना एवं शोध प्रविधि:**	01-60
	आदिवासी विकास और सहकारिता	
	भारत में वृहताकार आदिम-जाति बहुउद्देश्यीय सहकारी समिति का संगठन एवं विकास	
	मध्य प्रदेश में वृहताकार आदिम-जाति बहुउद्देश्यीय सहकारी समिति का संगठन एवं विकास	
	विषय औचित्य	
	सर्वेक्षण क्षेत्र रायगढ़ जिला	
	अध्ययन का उद्देश्य	
	साहित्य समीक्षा	
	संकल्पनाएँ	
	शोध प्रविधि-समस्या	
	निदर्शन अभिकला	
	समंक संग्रहण प्रविधि	
	अध्ययन क्षेत्र	
	शोध की सीमायें	
	परिच्छेद परिचय	
द्वितीय	**ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:**	61-181
	सहकारिता का अर्थ	
	सहकारिता का उद्गम एवं विकास	
	भारत में सहकारिता का उद्गम एवं विकास	
	स्वतंत्रता के पश्चात् सहकारी आन्दोलन (1947-1990)	
	भारत में सहकारी आन्दोलन की संगठन, संरचना	
	भारत में आदिम-जाति सहकारिताएं	
	आदिम-जाति जनसंख्या	
	आदिवासी अर्थ व्यवस्था	

	भारत में आदिम-जाति सहकारिता का प्रादुर्भाव	
	मध्य प्रदेश में सहकारिता का उद्गम एवं विकास	
	मध्य प्रदेश में सहकारिता आन्दोलन- पंच वर्षीय योजनाओं के संदर्भ में.	
	मध्य प्रदेश में सहकारिता के निर्माण कार्यक्रम एवं उनका मूल्यांकन	
	मध्यप्रदेश में सहकारी संस्थाओं के लिये नई नीतियां	
	मध्य प्रदेश का परिचय	
	मध्य प्रदेश में वृहताकार आदिम-जाति सहकारिता का विकास	
	परिच्छेद सारांश	
तृतीय	**रायगढ़ जिले का परिचय:**	182-256
	रायगढ़ जिले की लैम्प्स संस्थाओं के सदस्यों एवं गैर सदस्यों की सामाजिक आर्थिक स्थिति	
चतुर्थ	रायगढ़ जिले के वृहताकार आदिम जाति बहुउद्देश्यीयसमितियों (लैम्पस) का संगठन एवं प्रबन्ध:	257-319
	उद्देश्य	
	कार्यक्षेत्र -	
	सदस्यता	
	लैम्प्स की प्रबन्ध व्यवस्था	
	लैम्प्स संस्थाओं के कर्मचारियो की स्थिति	
पंचम	**रायगढ़ जिले में वृहताकार आदिम-जाति बहुउद्देश्यीय सहकारी समितियों की वित्तीय स्थिति एवं प्रबन्ध व्यवस्था:**	320-355
	वित्तीय प्रबंध का आशय एवं परिभाषाएं	
	वित्तीय प्रबन्ध की विशेषताएं	

वित्तीय प्रबंध की आवश्यकता

अंश पूंजी

कार्यशील पूंजी

निक्षेप

रायगढ़ जिले के लैम्पस संस्थाओं के निधियों का विश्लेषण

रायगढ़ जिले के लैम्पस के उधारों की स्थिति का विश्लेषण

रायगढ़ जिले में लैम्पस के अदत्त ऋणों का विश्लेषण

रायगढ़ जिले में लैम्पस के लाभ-हानि का विस्तृत विश्लेषण

परिच्छेद सारांश

षष्टम — रायगढ़ जिले में वृहताकार आदिम जाति बहुउद्देश्यीय सहकारी समितियों (लैम्पस) के कार्य एवं उपलब्धियां. भाग-एक — 356-398

अखिल भारतीय सन्दर्भ में आदिवासी क्षेत्रों में कृषि साख

कृषि साख में लैम्पस संस्थाओं की भूमिका

म.प्र. में लैम्पस संस्थाओं का कृषि साख व्यवसाय

सम्पूर्ण भारत एवं मध्य प्रदेश में तुलनात्मक स्थिति

रायगढ़ जिले में लैम्पस संस्थाओं द्वारा वितरित कृषि साख की स्थिति

सप्तम — **रायगढ़ जिले में वृहताकार आदिम जाति बहुउद्देश्यीय सहकारी समितिया (लैम्पस) के कार्य एवं उपलब्धियां, भाग-दो:** — 399-427

गैर साख गतिविधियां

कृषि आदानों का वितरण

उपभोक्ता वस्तुओं का वितरण

लैम्पस संस्थाओं द्वारा लघु वनोपज व्यवसाय

अष्टम	**रायगढ़ जिले में वृहताकार आदिम जाति बहुउद्देश्यीय सहकारी समितियां (लैम्प्स) की प्रमुख समस्याएं एवं सुझाव:**	428-451
	लैम्प्स की संख्या तथा आर्थिक सक्षमता	
	कार्य	
	कार्यक्षेत्र	
	सदस्यता	
	वित्तीय स्थिति	
	प्रबन्ध	
	विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की समस्या	
	व्यवसाय	
	जिले में लैम्प्स संस्थाओं में कालातीत ऋणों के कारण एवं सुझाव	
	उपभोक्ता वस्तुओं का वितरण	
	कृषि आदानों का वितरण	
	लघु वनोपज व्यवसाय	
	कृषि उपज की खरीदी	
	व्यापारिक परिणाम	
नवम्	**रायगढ़ जिले में वृहताकार आदिमजाति बहुउद्दश्यीय सहकारी समितियों (लैम्प्स) की जीवन क्षमता:**	452-475
	जीवन क्षमता के संकेतक एवं मानदण्ड	
	अखिल भारतीय एवं राज्य सन्दर्भ	
	रायगढ़ जिले में लैम्पस की जीवन क्षमता का मूल्यांकन	

दशम्	**निष्कर्ष एवं अनुशंसाएँ**	476 - 490
एकादश	**अवलोकन बिन्दु**	491 - 496
परिशिष्ट	**क्रमांक-1** रायगढ़ जिले का संक्षिप्त परिचय	497 - 555
	क्रमांक- 2 [redacted] अनुसूचि :	
	भाग-एक:- पारिवारिक अनुसूची	
	भाग-दो:- सदस्यों के लिए	
	भाग-तीन:- गैर सदस्यों के लिए	
	क्रमांक- 3 लैम्पस संस्थाओं के लिए सूचना अनुसूची	
	क्रमांक-4 - सन्दर्भिका	
	क्रमांक-5 शासकीय एवं अध्ययन दलों का प्रतिवेदन	

आ रे ख

आरेख

1. भारत में लैम्पस संस्थाओं की राज्यवार स्थिति 12
2. भारत में स्वतंत्रता पूर्व सहकारिता स्थिति एवं समितियों की संख्या 75
3. भारत में स्वंत्रोतर काल में सहकारिता स्थिति 78
4. मध्य प्रदेश में सहकारी संस्थाओं की प्रगति 129
5. भारत में लैम्पस संस्थाओं में मध्य प्रदेश की स्थिति 13
6. मध्य प्रदेश में लैम्पस संस्थाओं का विकास 130
7. रायगढ़ जिले में कार्यरत लैम्पस संस्थाओं की संख्या 263
8. रायगढ़ जिले में लैम्पस संस्थाओं में जातिवार सदस्यों की संख्या 272
9. रायगढ़ जिले में लैम्पस संस्थाओं की कार्यशील पूंजी 329
10. रायगढ़ जिले में लैम्पस संस्थाओं की निधियों का विवरण 333

रे खा चि त्र

1. भारत में आदिवासी जनसंख्या प्रतिशत में
2. भाररत में सहकारी आन्दोलन की संगठन संरचना 92
3. सरकारी सहकारिता विभाग का संगठनरात्मक स्वरूप 94
4. आदिम जाति सहकारिताओं में वित्तीय प्रबन्ध

मा न चि त्र

1. भारत में आदिवासी जनसंख्या प्रतिशत में 98
2. मध्य प्रदेश में आदिवासी जनसंख्या का प्रतिशत 119
3. रायगढ़ जिले में आदिवासी जनसंख्या प्रतिशत में 189
4. रायगढ़ जिले में विकास खण्डवार लैम्पस की स्थिति 60

तालिकाओं का विवरण

सारणी क्रमांक		पृष्ठ क्रमांक
1.1	भारत में लैम्पुस संस्थाओं की राज्यवार विकास स्थिति	58
1.2	रायगढ़ जिले में विकास खण्डवार लैम्पुस की स्थिति	59
2.1	भारत में स्वतन्त्रता के पूर्व सहकारी समितियों की संख्या, सदस्यता एवं कार्यशील पूजी की वर्षवार स्थिति का विवरण	140
2.2	भारत में प्रथम चार पंचवर्षीय योजनाओं मे प्राथमिक सहकारी समितियों का विकास	142
2.3	भारत में सहकारिता का विकास (1960-61 से 1989-90 तक)	143
2.4	भारत मे पॉचवीं, छठवीं एवं सातवीं योजना के सहकारिता सम्बन्धी लक्ष्य एव उपलब्धियों का विवरण (वर्ष 1973-74 से 1990-91 तक)	144
2.5	भारत में आठवीं पचवर्षीय योजना मे सहकारिता की कार्य योजनाएँ	146
2.6	भारत की कुल जनसंख्या में आदिवासी जनसंख्या का विवरण	147
2.7	भारत के राज्यों तथा केन्द्र शासित क्षेत्रों में अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति की कुल जनसंख्या एवं उसका प्रतिशत (1991)	148
2.8	सम्पूर्ण भारत में वृहताकार आदिम जाति बहुउद्देशीय सहकारी समिति (लैम्पुस) की स्थिति (वर्ष 1988-89)	150
2.9	भारत में प्राथमिक कृषि साख समितियां, कृषक सेवा समितियां तथा लैम्पुस संस्थाओं की स्थिति	151
2.10	मध्यप्रदेश में सहकारिता कार्यक्रमों के अन्तर्गत सहकारिता विस्तार के लक्ष्य एवं उपलब्धियों का योजनावार विवरण	153
2.11	मध्यप्रदेश राज्य में सहकारिता कार्यक्रम के अन्तर्गत विभिन्न कार्यक्रमों में विनियोग का योजनावार विवरण	154
2.12	मध्यप्रदेश मे सहकारिताओं की वर्षवार प्रगति का विवरण	155
2.13	मध्यप्रदेश में सहकारी आन्दोलन का विस्तार	156
2.14	मध्यप्रदेश मे स्थित सहकारी समितियों की संख्या	158
2.15	मध्यप्रदेश मे जिलेवार अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति की कुल जनसंख्या	160

2.16	मध्यप्रदेश में आदिवासी जनसंख्या का विस्तार	162
2.17	मध्यप्रदेश मे प्रमुख आदिवासी जातियों की जनसंख्या	163
2.18	मध्यप्रदेश में आदिवासी साक्षरता मे वृद्धि का प्रतिशत	164
2.19	मध्यप्रदेश मे आदिवासियों मे साक्षरता प्रतिशत के आधार पर जिलों का विवरण	165
2.20	मध्यप्रदेश में आदिवासी बाहुल्य जिलों में जनसंख्या घनत्व	166
2.21	मध्यप्रदेश में उपयोजना क्षेत्र के प्रतिनिधि जिलों मे लिंग अनुपात	167
2.22	मध्यप्रदेश में आदिवासी जनसंख्या का व्यवसायिक विभाजन 1981 एवं 1991	168
2.23	मध्यप्रदेश में आदिवासी परिवारों मे भू-जोत आकार (1985-86)	169
2.24	मध्यप्रदेश मे आदिवासी बाहुल्य जिलों मे भू-जोत का औसत आकार	170
2.25	मध्यप्रदेश में आदिवासी क्षेत्रानुसार भूमि का उपयोग	171
2.26	मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों में लैम्पस संस्थाओं का विवरण	172
2.27	मध्यप्रदेश में वर्ष 1976-77 की अवधि में लैम्पस द्वारा ऋणों तथा उपभोक्ता वस्तुओं की जिलेवार स्थिति	174
2.28	मध्यप्रदेश मे लैम्पस एक विहंगम दृष्टि	176
2.29	औसतन लैम्पस की स्थिति सांख्यिकी दर्पण	178
2.30	वृहताकार आदिवासी बहुउद्देश्यीय सहकारी समितियों (लैम्पस) सम्बन्धी विवरण	180
3.1	रायगढ़ जिले के क्षेत्रफल का विवरण	215
3.2	रायगढ़ जिले में मिट्टी के प्रकारानुसार धान क्षेत्र का वितरण	216
3.3	रायगढ़ जिले की तहसीलें एवं विकास खण्डों का विवरण	217
3.4	रायगढ़ जिले में तहसीलवार ग्रामों व विकास खण्डों का विवरण	218
3.5	रायगढ़ जिले की जनसंख्या का वितरण	219
3.6	रायगढ़ जिले की जनसंख्या एवं घनत्व का वर्षवार विवरण	220
3.7 (अ)	रायगढ़ जिले में तहसीलवार कुल जनसंख्या व आदिवासी जनसंख्या	221
3.7 (ब)	रायगढ़ जिले में विकास खण्डवार अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजातियों का विवरण	222

3.8	रायगढ़ जिले में लिंगानुसार जनसंख्या एवं जनसंख्या घनत्व का वर्गीकरण	223
3.9	रायगढ़ जिले में विकासखण्डवार अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति की लिंगानुसार जनसंख्या	224
3.10	रायगढ़ जिले में साक्षरता की स्थिति	225
3.11	रायगढ़ जिले में विकासखण्डवार साक्षरता की स्थिति	226
3.12	रायगढ़ जिले की भूमि के उपयोग की स्थिति	228
3.13	रायगढ़ जिले में विकासखण्डवार भू-उपयोग की स्थिति	229
3.14	रायगढ़ जिले मे भू-जोतों का आकार तथा प्रतिशत	231
3.15	रायगढ़ जिले मे विकास खण्डवार भू-जोत का आकार-विवरण	232
3.16	रायगढ़ जिले में सिंचाई के साधन	234
3.17	रायगढ़ जिले की जनसंख्या का व्यवसायिक वर्गीकरण	235
3.18	आदिवासियों का व्यवसायिक वर्गीकरण	238
3.19	लिंगानुसार सदस्यों तथा गैर सदस्यों का वर्गीकरण	240
3.20	उम्र के आधार पर सदस्यों तथा गैर सदस्यों का वर्गीकरण	241
3.21	सदस्यों तथा गैर सदस्यों का जातिवार वर्गीकरण	242
3.22	धर्म के आधार पर सदस्यों तथा गैर सदस्यों का वर्गीकरण	243
3.23	परिवार के प्रकार के आधार पर सदस्य तथा गैर सदस्य परिवारों का वर्गीकरण	244
3.24	चयनित सदस्य तथा गैर सदस्य परिवारों की संख्या तथा परिवार का आकार	245
3.25	चयनित सदस्यों तथा गैर सदस्यों का परिवार के आकार के आधार पर वर्गीकरण	246
3.26	सदस्य तथा गैर सदस्य परिवारों के सदस्यों का शैक्षणिक स्तर	247
3.27	भू-धारिता के आधार पर सदस्यों तथा गैर सदस्यों का प्रतिशत के रूप में वर्गीकरण	248
3.28	रायगढ़ जिले में सदस्य तथा गैर सदस्य परिवारों बीच सिंचाई की सुविधा का स्तर	249
3.29	सदस्य तथा गैर सदस्य परिवारों की आवासीय स्थिति	250

3.30	सदस्यों तथा गैर सदस्यों के परिसम्पत्तियों के कुल मूल्यों का वर्गीकरण	251
3.31	सदस्यों तथा गैर सदस्यों का व्यवसायिक वर्गीकरण	252
3.32	रायगढ़ जिले में लैम्प्स संस्थाओं से चयनित सदस्य तथा गैर सदस्य परिवारों के वार्षिक आय व्यय का विवरण	253
3.33	रायगढ़ जिले में चयनित सदस्य तथा गैर सदस्य परिवारों में ऋण-ग्रस्तता की स्थिति	254
3.34	प्रयोजनवार सदस्य तथा गैर सदस्य ऋणी परिवारों का वर्गीकरण	255
3.35	ऋण के स्त्रोत के आधार पर चयनित ऋणी सदस्य तथा गैर सदस्य परिवारों का वर्गीकरण	256
4.1	रायगढ़ जिले में लैम्प्स का कार्यक्षेत्र	299
4.2	रायगढ़ जिले में कार्यरत लैम्प्स की संख्या, सम्बन्धित गाँवों की संख्या तथा जनसंख्या	301
4.3	रायगढ़ जिले के लैम्प्स संस्थाओं के विस्तृत कार्यक्षेत्र के सम्बन्ध में प्रबन्धकों के मतों का विवरण	302
4.4	रायगढ़ जिले के लैम्प्स संस्थाओं के आदर्श कार्यक्षेत्र के सम्बन्ध में प्रबन्धकों के मतों का विवरण	303
4.5	रायगढ़ जिले की लैम्प्स संस्थाओं के बड़े आकार के सम्बन्ध में सदस्यों के मतों का विवरण	304
4.6	रायगढ़ जिले की लैम्प्स संस्थाओं के आदर्श कार्यक्षेत्र के सम्बन्ध में सदस्यों के मतों का विवरण	305
4.7	मध्यप्रदेश राज्य में लैम्प्स संस्थाओं की संख्या तथा सदस्यता का वर्षवार विवरण	306
4.8	रायगढ़ जिले में लैम्प्स संस्थाओं में जातिवार सदस्यों की संख्या तथा प्रतिशत	307
4.9	रायगढ़ जिले में वर्षवार प्रतिवर्ष लैम्प्स संस्था, संख्या तथा सदस्यता	308
4.10	रायगढ़ जिले में भूमि-धारिता के आधार पर सदस्यों का वर्षवार वर्गीकरण	309
4.11	रायगढ़ जिले के लैम्प्स संस्थाओं में सदस्यता की स्थिति	310
4.12	रायगढ़ जिले में सदस्यता आकार की स्थिति	312
4.13	वृहताकार आदिम जाति बहुउद्देश्यीय सहकारी समिति की आम सभाओं में उपस्थिति	313
4.14	सामान्य सभा के आयोजन पर सदस्यों के विचार	315

4.15	वृहताकार आदिम जाति बहुउद्देश्यीय सहकारी समिति के संचालक मण्डल की लैम्पस संस्थावार स्थिति	316
4.16	रायगढ़ जिले में वृहताकार आदिम जाति बहुउद्देश्यीय सहकारी समितियों में कार्मिकों की स्थिति	318
4.17	लैम्पस कर्मचारियों की शैक्षणिक योग्यता	319
5.1	वृहताकार आदिम जाति बहुउद्देश्यीय सहकारी समितियों की अंश पूंजी - रायगढ़ जिला	344
5.2	रायगढ़ जिले में लैम्पसवार अंशपूंजी में सदस्यों एवं शासन के अंश	345
5.3	रायगढ़ जिले में लैम्पस की अंशपूँजी में राज्य शासन एवं सदस्यों के अंश की वर्षवार स्थिति	348
5.4	वृहताकार आदिम जाति बहुउद्देश्यीय सहकारी समितियों की कार्यशील पूंजी - रायगढ़ जिला	349
5.5	वृहताकार आदिम जाति सहकारी समितियों को प्राप्त निक्षेप की स्थिति - रायगढ़ जिला	350
5.6	वृहताकार आदिम जाति बहुउद्देश्यीय सहकारी समितियों के निधियों का विवरण	351
5.7	वृहताकार आदिम जाति बहुउद्देश्यीय सहकारी समितियों में विनियोग तथा लाभ-हानि - रायगढ़ जिला	352
5.8	वृहताकार आदिम जाति बहुउद्देश्यीय सहकारी समितियों को प्राप्त उधार - रायगढ़ जिला	353
5.9	लैम्पस संस्थाओं की बकाया राशि - रायगढ़ जिला	354
5.10	वृहताकार आदिम जाति बहुउद्देश्यीय सहकारी समितियों के लाभ-हानि की स्थिति - रायगढ़ जिला	355
6.1	लैम्पस एवं प्राथमिक कृषि साख समितियों द्वारा वितरित कृषि साख	381
6.2	लैम्पस एवं प्राथमिक कृषि साख समितियों द्वारा वितरित कृषि साख	382
6.3	लैम्पस संस्थाओं द्वारा वितरित कृषि साख और उसमें आदिवासियों के हिस्से	383
6.4	मध्यप्रदेश राज्य में लैम्पस संस्थाओं का कृषि साख व्यवसाय	384
6.5	सम्पूर्ण भारत तथा मध्यप्रदेश में प्रति समिति अंश पूंजी, जमा, ऋण वितरण, बकाया ऋण, उधारी तथा अतिदेय की राशि	386
6.6	रायगढ़ जिले में लैम्पस संस्थाओं द्वारा कृषि साख का वितरण	387

6.7	रायगढ़ जिले में लैम्पुस संस्थाओं की वित्तीय स्थिति एवं साख व्यवसाय	388
6.8	भारत, मध्यप्रदेश एवं रायगढ़ जिले में प्रति समिति कार्यशील पूंजी एवं साख कार्य का अनुपात	389
6.9	रायगढ़ जिले में लैम्पुस का परिचलन (वसूली की स्थिति तथा माँग वसूली एवं शेष)	390
6.10	रायगढ़ जिले में कार्यरत लैम्पुस के अतिदेयों की राशि तथा उनका अवधिवार वर्गीकरण	391
6.11	रायगढ़ जिले में लैम्पुस संस्थाओं की सदस्यता और अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति तथा अन्य जातियों को दिये गये ऋणों का विवरण	392
6.12	रायगढ़ जिले में अवधिवार दिये गये ऋणों की वर्षवार स्थिति	393
6.13	रायगढ़ जिले की आदिवासी सहकारी समितियों में समितिवार बकाया ऋणों की स्थिति	394
6.14	रायगढ़ जिले की वृहताकार आदिम जाति बहुउद्देश्यीय सहकारी समितियों में समितिवार साख योजना की स्थिति	396
6.15	आदिवासी क्षेत्र में सहकारी ऋण माँग एवं आपूर्ति, अंतराल, न्यादर्श समंक - रायगढ़ जिला	398
7.1	रायगढ़ जिले में लैम्पुस द्वारा कृषि आदानों की आपूर्ति	416
7.2	रायगढ़ जिले में प्रति समिति कृषि आदानों का वितरण	417
7.3	रायगढ़ जिले मे समितिवार लैम्पुस संस्थाओं द्वारा कृषि निवेशों की आपूर्ति	418
7.4	रायगढ़ जिले के लैम्पुस संस्थाओं द्वारा आदिवासी क्षेत्रों में कृषि आदानों की माँग एवं आपूर्ति	421
7.5	रायगढ़ जिले में लैम्पुस संस्थावार उपभोक्ता वस्तुओं का वितरण	422
7.6	रायगढ़ जिले में लैम्पुस संस्था द्वारा उपभोक्ता वस्तुओं का क्रय-विक्रय एवं स्कंद	424
7.7	रायगढ़ जिले के विकास खण्डों के अन्तर्गत खाद्यान्न वितरण	425
7.8	रायगढ़ जिले में वर्षवार लैम्पुस संस्थाओं द्वारा लघु-वनोपज व्यवसाय	426
9.1	रायगढ़ जिले की लैम्पुस संस्थाओं के जीवन क्षमता का मानदण्डों का विवरण	470
9.2	जीवन क्षमता स्थिति के आधार पर रायगढ़ जिले में लैम्पुस संस्थाओं का वर्गीकरण	475

- - - - - - - - - - - - - -